जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
(जन–सम्पर्क अनुभाग)
(प्रेस विज्ञप्ति)

ऊर्जा मंत्री ने की बिजली क्षेत्र की फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

बिजली करंट से होने वाली सम्भावित दुर्घटनाओं को रोकने के कड़े निर्देश

जयपुर, 5 अगस्त। ऊर्जा मंत्री डा0 जितेन्द्र सिंह द्वारा सोमवार को विद्युत भवन में विद्युत वितरण निगमों के संभागीय मुख्य अभियन्ताओं की बैठक में बारिश के मौसम में बिजली करंट से हो रही दुर्घटनाओं पर गहरी चिन्ता जाहिर की एवं अधिकारियों को निर्देश दिये कि इस तरह के हादसों से बचाव के लिये तुरन्त कदम उठावें। इसके साथ ही उन्होंने राज्य में चल रही बिजली क्षेत्र की विभिन्न फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की समीक्षा भी की।

डा0 जितेन्द्र सिंह ने बताया कि इस तरह की दुर्घटनाओं को रोकने के लिये वितरण तन्त्र का सर्वे कर दुर्घटना सम्भावित स्थानों का पता लगाया जावे। सर्वे में जहां भी तन्त्र में सुधार की आवश्यकता हो उसके लिये कार्य योजना बनाकर कार्य को पूरा करवाया जावे। इस कार्य की जांच संभागीय मुख्य अभियन्ता एवं अधीक्षण अभियन्ता द्वारा की जायेगी एवं लापरवाही पाये जाने पर सम्बन्धित अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही की जावे। उन्होंने बताया कि करंट से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिये जहां ट्रांसफार्मर/पिलर बॉक्स के साथ एम सी बी नही है वहां एम सी बी लगवाई जाये एवं भूमिगत केबल से दुर्घटना की संभावना हो तो उसकी प्राथमिकता से मरम्मत की जावे। इसके साथ ही जिन क्षेत्रों में बारिश का पानी भर जाता है ऐसे क्षेत्रों में दुर्घटना से बचाव के लिये विधुत की आपूर्ति पानी के निकास तक कुछ समय के लिये बन्द कर दी जावे।

ऊर्जा मंत्री ने राज्य में चल रही बिजली क्षेत्र की विभिन्न फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए बताया कि इस वर्ष कृषि के 75 हजार नये कनेक्शन दिये जाने है इसमें से अब तक 36 हजार कनेक्शन दे दिये गये है। मुख्यमंत्री सबके लिये विद्युत योजना के अन्तर्गत 100 से कम आबादी की ढाणियों में एक लाख घरेलू कनेक्शन देने हेतु राज्य सरकार 400 करोड़ रुपए वहन कर रही है। इस योजना के अन्तर्गत 52 हजार घरेलू बिजली कनेक्शन दिये जा चुके है। इसके अतिरिक्त 33 केवी के 400 नये सब–स्टेशन बनाने की घोषणा के अन्तर्गत जुलाई तक 201 नये सब–स्टेशन बनाने के लक्ष्य के सापेक्ष 206 नये सब–स्टेशन स्थापित कर दिये गये है।

4 हजार से अधिक आबादी वाले गावों में 3 फेस वितरण तंत्र की स्थापना की जानकारी देते हुए बताया गया कि मार्च, 2013 तक 1322 गावों में से 666 गावों में 3 फेस वितरण तंत्र की स्थापना कर दी गई है एवं अप्रेल से जुलाई तक लक्षित 656 गावों में से 445 गावों में 3 फेस वितरण तंत्र स्थापित कर लिया गया है। इस तरह कुल 1111 गांवों में 24 घंटे 3 फेस विद्युत की आपूर्ति की जा रही है। इसके साथ ही 3300 सरकारी स्कूलों के उपर से जा रही बिजली लाईनों को भी शिफ्ट कर दिया गया है।

डा0 सिंह ने बताया कि राज्य में बिजली बचत एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु ''मुख्यमंत्री बिजली बचत लेम्प योजना'' के अन्तर्गत एक करोड़ 6 लाख निःशुल्क सीएफएल वितरण के लिये राज्य सरकार द्वारा 100 करोड़ रुपए वहन किये जा रहे है। इस योजना के अन्तर्गत जुलाई, 2013 तक 44 लाख 64 हजार सीएफएल वितरित किये जा चुके है तथा शेष सीएफएल 31 अगस्त, 2013 तक वितरित करने का कार्य चल रहा है।

राज्य में गत साढे चार वर्षों में 6399 मेगावाट की विद्युत उत्पादन क्षमता में बढोतरी कर ली गई है। अब राज्य में 12939 मेगावाट विद्युत की उपलब्धता है। बिजली आपूर्ति की समीक्षा करते हुए ऊर्जा मंत्री ने बताया कि वर्तमान में सभी विद्युतीकृत गांवों को 22 से 24 घंटे घरेलू उपभोग के लिये बिजली आपूर्ति की जा रही है एवं रबी के सीजन में कृषि के लिये 6 घंटे ब्लॉक में विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिये सभी आवश्यक प्रबन्ध कर लिये गये है।

बैठक में अधिकारियों द्वारा बताया गया कि निजी क्षेत्र की अडानी पावर की इकाई– ॥ से अगस्त माह के अन्त तक 660 मेगावाट विद्युत उपलब्ध हो जाएगी। इसके साथ ही अक्टूबर माह में छबड़ा–III से 250 मेगावाट व कालीसिन्ध इकाई–। से 600 मेगावाट विद्युत का उत्पादन प्रारम्भ हो जाएगा। इस तरह इन इकाईयों से विद्युत की उपलब्धता होने से प्रदेश विद्युत के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो जाएगा।

बैठक में तीनो विद्युत वितरण कम्पनियां के अध्यक्ष श्री कुंजीलाल मीणा ने बताया कि राज्य में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पर्याप्त बिजली की आपूर्ति की जा रही है व ग्रामीण क्षेत्रों से निरन्तर उपभोक्ताओं से वार्ता कर सीधे फीडबैक लिया जा रहा है।

बैठक में ऊर्जा सचिव एवं प्रसारण निगम के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक श्री शैलेन्द्र अग्रवाल, विद्युत उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक श्री एन. एम. माथुर, प्रबन्ध निदेशक डिस्कॉम अजमेर श्री पी.एस.जाट, जोधपुर डिस्कॉम के प्रबन्ध निदेशक श्री ऐ.के.गुप्ता, निदेशक पावर ट्रेडिंग, निदेशक आपरेशन प्रसारण निगम, निदेशक तकनीकी जयपुर डिस्कॉम सहित सभी संभागीय मुख्य अभियन्ता मौजूद थे।

———

प्रेस विज्ञप्ति संख्या– 60/2013